मेरा छुड़ाने वाला जीवित है

इस प्रातः आप सबको ईस्टर की शुभकामनाएं। इस महान स्मृति के समय ईस्टर पर मैं आज यहां टेबरनेकल में होने के लिए बहुत आनंदित हूं। प्रभु ने आज हमें इस आराधना के लिए एक सुंदर दिन दिया है। और हम इस प्रातः इस महान घटना जो कभी संसार में घटित हुई मनाने के लिए यहां पर है, हमारे प्रभु यीशु का पुनरुत्थान। वह अपनी मृत्यु में महान था, मनुष्य मर सकता है, परंतु ऐसा मनुष्य कभी नहीं हुआ जो मृतकों में से जी उठ सके सिवाये उसके। और इस प्रातः हमारी आशाएं वहीं पर टिकी हुई है, हमारे प्रभु के पुनरुत्थान में।

2 जैसे कि आज प्रातः मैं आ रहा था, गलियारे में से निकल रहा था, देखने के लिए मैं कुछ क्षण रुका। भक्त मंडली की ओर देखा, और मैंने सोचा, "आज तड़के सुबह लोग, आशा लगाए हुए हैं, कि बाहर निकल पढ़कर वचन सुने और भक्ती के गान गाए। और यह इस स्मरण में है कि एक है जो हमारे जीवनों को अपने हाथ में थामे हैं।" मैंने उन चेहरों के विषय में सोचा जिन्हें मैंने सुबह तड़के देखा वर्षों पूर्व देखा था। वे इस कब्रिस्तान में आस पास लेटे हुए हैं और, अपने पुनरुत्थान की घटना की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

3 यह सोचते हुए कि यह विचार क्यों हमारे पास आता है, कि, आज हम यहां पर है। हम नहीं जानते कि किस समय हम इस स्थान पर—पर लाए जाएंगे जहां आज प्रातः ये लोग लेटे हैं। और तब इस विचार से, हमें किस प्रकार के लोग होना चाहिए और आज के पुनरुत्थान पर कैसे पहुंच करें?

4 अय्यूब की—की पुस्तक के 10वें... 19वे अध्याय और 25वां पद, यह थोड़े से वचन।

... मैं जानता हूं... मेरा छुड़ाने वाला जीवित है,...

5 क्या अय्यूब की भविष्यवाणी और उसके वचन, जब उसने इस दिन को जिसने आज हम आराधना कर रहे हैं, देख लिया पुनरुत्थान में आराधना कर रहे हैं।

6 मैं, संसार के विभिन्न भागों में से निकला हूं, और भिन्न–भिन्न प्रकार के धर्मों को देख रहा हूं, और आराधना के विभिन्न पहलू, इन सब विभिन्न धर्मो के तत्वों को लेकर, कि जाकर, उनकी व्याख्या करने का यत्न करना, ये लंबा समय लेगा, इस संसार के धर्म।

7 परंतु, आज, यह जानते हुए कि हमारे सामने एक महान दिन है, कि इस प्रातः हम यहां पर एकत्र हुए हैं, केवल इस तड़के सुबह कि कुछ क्षणों तक आराधना करें। फिर हम अपने–अपने घरों को वापस चले जाएंगे, और फिर वापस आएंगे, जो हम विश्वास करते हैं एक दिव्य चंगाई सभा।

8 जब से हम यहां सभाओं... में रहे—रहे हैं हमने कभी भी दो या तीन बार नहीं की। क्योंकि, अधिकांश, आराधनालय में आ रहे हैं और आस पास, हमारे घर के लोग यहां पर हैं, और पवित्र आत्मा का अभिषेक आता प्रतीत नहीं हो रहा है, क्योंकि यह घर है। एक बार, ये वहां जेफरसनविले हाई स्कूल में था; और फिर एक बार ये यहां आराधनालय में था।

9 और जब से मैं इस प्रातः उठा हूं... मुझे प्रतीत हो रहा है कि मैं थोड़ी देर से आया हूं, परंतु यह एक उद्देश्य के लिए है। मैं आज प्रातः पौ फटने से पहले उठ गया, और प्रतीक्षा कर रहा था।

10 और विश्वास करता हूं कि आज एक महान सेवकाई करने जा रहे हैं, आज दिव्य चंगाई सभा में। और लड़कों, हम उन प्रार्थना पत्रों को देने जा रहे हैं, मैं उन्हें प्रातः नौ बजे बांटने जा रहे हैं, आने वाली चंगाई सभा के लिए। मैं विश्वास करता हूं कि प्रभु हमें एक महान समय देगा।

11 इसलिए, हम उसकी आराधना प्रार्थना और गीत से करेंगे, और वचन के बोलने से, और यदि हो सका तो, आज इस प्रातः सात बजे, आने का यत्न करेंगे, ताकि हर व्यक्ति को वापस आने के लिए पर्याप्त समय होगा कि सभा के लिए तैयारी करें।

12 प्रार्थना पत्र नौ बजे दिए जाएंगे, ताकि बाकी सभाओं में कोई विघ्न ना हो।

13 तब, आज रात्रि, अवश्य ही, बपतिस्मे की सभा भी है। हम चाहते हैं कि आप सब इसमें उपस्थित हो, जो हमारे मध्य में अपरीचित है, और आदि–आदि। आज प्रातः आपको पाकर हम आनंदित हैं, देखिए यह प्रभात की सभा, और आराधनालय भर गया।

14 अब, विभिन्न विचारों पर आज, धार्मिक आराधना पर। बहुत से स्थानों पर, वे अपने पूर्वजों को जो जा चुके है उनकी आराधना करते हैं। उदाहरण के लिए यदि इस प्रातः हम चीन जाए, और उनके मध्य में परमेश्वर का वचन बोले, या जापान में, वे आश्चर्य करेंगे कि कौन से परमेश्वर के विषय में बात कर रहे हैं, क्योंकि प्रत्येक मनुष्य जो मरता है, वह जैसे ही मरता है देवता है। और यदि हम वहां जाए जहां बुद्ध के उपासक, या विभिन्न, मुसलमान, वे जो विश्वास नहीं करते हैं कि मसीह मरे हुओं में से जी उठा है। वे यह भी विश्वास नहीं करते कि वह मरा भी था। वे कहते है, "वह घोड़े पर चढ़ कर स्वर्ग को चला गया।"

15 परंतु, आज, हमारे पास वास्तव में सच्चाई और जीवन की ज्योति है। आज मेरे मस्तिष्क में तनिक भी संदेह नहीं है, मसीहत के एक—एक सुसमाचार प्रचारक होने के नाते। मेरे मन में मात्र बिंदु भी संदेह नहीं, ना ही कोई संदेह की छाया है, परंतु जो भी हमारे पास है, मोहर लगाया हुआ सत्य है। हो सकता है दूसरे धर्म ठीक हो, परंतु हमारे पास सत्य है।

16 यदि हम, आज, ध्यान दें, और समय पर ध्यान दें। निश्चय ही स्वर्ग का महान परमेश्वर, जिसने समस्त आकाश और पृथ्वी को बनाया है... यदि आप देख सके कि किस प्रकार से उसका मस्तिष्क कार्य करता है, किस प्रकार से वर्ष बीतता है, मृत्यु; फिर वर्ष का वसंत, वो पुनरुत्थान। क्रमानुसार... आपको मरना है, ताकि क्रम में पुनरुत्थान ले।

17 मृत्यु से होकर जो कि सदा जीवन लाता है। आपके मृत्यु में से होकर जीते हैं। क्या आप कभी यह सोचने के लिए रुके हैं, कि मनुष्य जाति मृत्यु के द्वारा जीवित रहती हैं? किसी चीज को मरना है ताकि आप जीवित रह सके; भोजन। पेड़ का जीवन, पशुओं का जीवन, सब मरते है। उस मृत्यु में होकर, हम भोजन खाते है। और वह भोजन जो हम खाते है, किसी चीज की मृत सामग्री, लहू की जीवन कोशिकाये उत्पन्न करती है जो हमारे शरीर में आता है। इसलिए हम केवल, एक जीवन के द्वारा जीते, और बढ़ते, और सांस लेते, और खाते और अब... और मृत्यु के द्वारा। और जीवन को उत्पन्न करने के लिए हमें मृत्यु को लेना ही है।

18 अब, यह सन्देश जो इस प्रातः हमारे लिए पढ़ा गया, और हम इसे एक महान कार्य अधिकार कहेंगे, क्योंकि यह हमारा अंतिम कार्य अधिकार जो प्रभु ने अपने शिष्यों को दिया। "समस्त संसार में जाओ, और इस शानदार

पुनरुत्थान के, इस अच्छे सुसमाचार को, समस्त संसार में प्रचार करो, सारे संसार में गवाही के लिए।" और, तब वह लौटेगा। और, इस, "सुसमाचार के साथ चिन्ह और आश्चर्य कर्म होंगे जो कि प्रचार किया जाना था।"

19 और आज, राष्ट्रों में, और हम मसीही धर्म में भी पाते है, हम अमेरिका में, बहुत से लोगों को पाते हैं, उनमें से बहुत, अच्छे और आदर के साथ, और बड़े–बड़े आराधनालय और मुख्य गिरजाघर, और महान योजनाएं, आदि–आदि भी पाने की कोशिश करते है। आज, ईस्टर पर, महान आराधनालय और क्रूस के निशानों को इस महान ईस्टर सभा के लिए चमकाया गया है। और, आज, वास्तव में हजारों लाखों डॉलर ईस्टर के फूलों के लिए खर्च किए जाएंगे और आदि–आदि, वेदी पर लगायेंगे, ताकि बड़े आराधनालयो को और बड़े–बड़े आराधनालय को आज सजाया जाए।

20 और रोम में, कैथोलिक आराधनालयो के अध्यक्ष, वहां वे... उस महान मुर्दाघर, संत पतरस का, जहां मृत लोग गडे हुए हैं। कैथोलिक कलीसिया में, वे यह कहना पसंद करते है, कि, "हमारे पास है, क्योंकि हमारे पास संत पतरस का मृत शरीर यहां पर रखा है। हमारे पास विभिन्न शिष्यों के मृत शरीर है, और चेलों के, और महान पुरुषों के जो यहां मरे... उनके शरीर यहां पर गाडे हुए हैं।" और वे उन्हें ऐसा देखते हैं कि जैसे वह कोई उनके धर्म का महान प्रमाण है, और परमेश्वर उनके पास है।

21 परंतु मित्रों मेरी सदा यही भावना रही है कि इन चीजों का कोई अर्थ नहीं है। कोई नहीं है। कोई भी मनुष्य मर सकता है और मिट्टी के नीचे रखा जा सकता है। परंतु उसमें से क्या उठता है हम आज उसकी आराधना करते हैं, एक जीवित पुनरुत्थान, प्रभु यीशु को ऊपर उठाया जो आज जीवित है। बहुत से लोग मर सकते हैं।

22 पिछले शुक्रवार, को लोग वेटीकन की सीढ़ियों पर, घुटनों के बल चढे। और बहुत से लोग भीतर गए और मृत्यु को मनाया जो हुई थी... एक महान दुखद घटना जो मसीह के साथ हुई। परंतु उसे यह सिद्ध करने के लिए कि वह मसीह है उसे यह करना था।

23 परंतु आज का दिन, पुनरुत्थान का दिन है, और यह सदा के लिए मोहर बंद हो गया। अब वह मरा हुआ नहीं है। वह आज जीवित है, प्रत्येक ह्रदय और प्रत्येक व्यक्ति में निवास कर रहा है।

24 पुराने लोगों ने जैसा की आज के दिन देखा पुराने पूर्वज पीछे बाईबल में; अब्राहम, इसहाक, याकूब, अय्यूब। बहुत से पूर्वजों ने उस समय की प्रतीक्षा कि जब मसीह मृतको में से जीवित हो उठेगा।

25 मैं अय्यूब के विषय में, सोचता हूं, वही जिसके विषय में हमने अभी कुछ क्षणों पूर्वक पढ़ा कि इस प्रातः की प्रतीक्षा की। जब वह बूढ़ा दुःखी आयु हो गया था, और उसका मांस उसके शरीर से गिर रहा था, उसके फोड़ो में से। उसका ह्रदय दुःख से टूटा हुआ था। और उसके जीवन का प्रत्येक नाशवान भाग सूख रहा था।

26 और इस प्रकार से एक महान मनुष्य, जिसने अपने युग में संसार पर महान प्रभाव डाला; और यह देखते हुए, कि वह—वह जो भी था, और उसकी महानता। उसने कहा वह पूर्व के नगरों में जाएगा, और राजकुमार उसके सामने उसकी बुद्धि के कारण झुकेंगे।

27 परंतु यहां वह अपनी बुद्धि के अंत पर था। हर चीज जा चुकी थी, प्रतीत होता था। उसका शरीर नष्ट हो गया। उसकी संपत्ति नष्ट हो गई थी। उसके बालक नष्ट हो गए थे। वह सब जो उसके पास था समाप्त हो गया था।

28 और, तब, परमेश्वर अपने अनुग्रह में होता हुआ अय्यूब के पास नीचे उतरा, और उसने उसको दूसरी चेतना दी, ताकि वह उसकी आंख खोल सके और उस दिन को देखे कि एक देह होगी जो उसे मिलेगी। वह जान गया कि एक आ रहा है, केवल एक, जो उसके स्थान पर खड़ा होगा, जो मृतकों की देह को जिलाएगा, और वह होगा। उसने कहा, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है।" मैं इन निश्चयात्मक भरे शब्दों को पसंद करता हूं जो इसमें उसने कहे।

29 यह नहीं कि, "मुझे ऐसी आशा है। मुझे आभास होता है कि होगा।" आज ऐसी मनोस्थिति बहुत लोगों की है, "मुझे आशा है कि किसी दिन... "

30 परंतु अय्यूब के पास इससे अधिक था। उसने कहा, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है," इसका निश्चयात्मक पक्ष। कोई नकारात्मक नहीं। यह सब निश्चयात्मक।

31 और यदि आज, यदि हमारे पास क्रूस केवल आराधनालय की छत पर हो, यह दर्शाने के लिए (जो कि, यह ठीक है) कि मसीह... हम मसीह के मरने, गाडे जाने, और पुनरुत्थान में विश्वास करते हैं। यदि हमारे पास

थोड़े से मृत शरीर आराधनालय के नीचे मिट्टी में हो, और कुछ संत लोग वहां नीचे दबे हो, तो... हमारे पास केवल एक आशा हो, तो फिर हम सब लोगों में बेचारे हैं।

32 परंतु, हम आज, कितने धन्यवादित है! हमारे पास मृत शरीर नहीं है, परंतु हमारे पास प्रभु यीशु मसीह का जी उठा हुआ आत्मा है, जो जय जयकार के साथ जी उठा।

33 अब यह ऐसा नहीं है कि, "मेरा ऐसा अनुमान है।" आप क्रूस की ओर देखकर "ऐसा अनुमान लगाए।" आप मिट्टी में रखे हुए शरीर को देख सकते हैं, और कहते है, "मेरा ऐसा अनुमान है," और "मैं ऐसी आशा करता हूं।"

34 परंतु जब दर्शन अय्यूब को मिला तो वह सदा के लिए वास्तविक बन गया, पवित्र आत्मा के द्वारा प्रभु यीशु का पुनरुत्थान हृदय में, तब आपको मिला, "मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है।"

35 सारी छायायें धूमिल हो गई, पुराने सारे अंधकार, "ऐसी आशा करता है," और "संभवतः ऐसा," और "हम भरोसा करते है।" कि यह इस प्रकार होगा, यह सब चला गया, प्रत्येक के लिए जिन्होंने अपना हृदय कभी प्रभु यीशु मसीह के लिए कब्र बनाया।

36 उसके साथ मरा, उसके साथ गाडा गया, और उसके साथ जी उठा! मसीह के संग पुनरुत्थान में जी उठा! यह नई आशा जो आज परमेश्वर ने आपके हृदय में रखी है, यह नया आश्वासन! यह उनके लिए आशा है जो समय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। परंतु जब कोई पुरुष या स्त्री जो कभी जी उठा है, तो यह अब "मैं यह जानता हूं।" "कि मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। क्यों? वह मेरे हृदय में रहता है।"

37 क्या आज यह शानदार बात नहीं कि सारी छायाये चली जाए? सारे... "अच्छा, मैं आशा करता हूं कि मैं पुनरुत्थान में आऊंगा।" कोई "आशा" नहीं। हमारे पास आश्वासन है! बस। हम यह जानते हैं। ऐसी "कोई आशा" नहीं।

38 क्योंकि, हमारे जीवन में कुछ घटित हुआ, जिसने सारे सन्देहो को हटा दिया, जब मसीह जी उठा एक हमारे पाप मरी हुई स्थिति में आया जिसमें हम थे। और पुरानी चीजें मर गई, उसके साथ क्रूस पर, वेदी पर। और हम फिर उसके साथ जी उठे, और उसके साथ राज्य करते है। "और मसीह

यीशु में हम स्वर्गीय स्थानों में बैठे हैं।" हम पहले ही उसके साथ जी उठे है। पुनरुत्थान तो बीत चुका है, जहां तक हमारा सवाल है, क्योंकि अब हम मसीह के साथ जी उठे है। आमीन। "स्वर्गीय स्थानों में मसीह यीशु के साथ बैठे है।"

39 अब कोई "अनुमान" नहीं है। इस विषय में। यह सब समाप्त हो गया। आमीन। मैं बस इससे प्रेम करता हूं। कोई "आशाएं," नहीं कोई "इच्छा," करना नहीं कुछ और नहीं। ओह, यह हो गया।

"अब हम उसके संग जी उठे, और स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए हैं।"

40 अब इसमें, और इसके ऊपर, कलीसिया! आप कहते हैं, तब, "भाई ब्रंहम, तो फिर इसका क्या अर्थ है, कि हमें 'सुसमाचार प्रचार' करना है? " यह हमारी अगली आशा है। यह हमारी अगली बात है। उसके साथ जी उठने के पश्चात, हमारे पास एक महान कार्य भार है, सारे संसार में जाओ यह सुसमाचार दूसरों तक ले जाओ।

41 क्या ही सुंदर प्रातः थी, जब मरियम मगदलीनी, माता मरियम तड़के, उस कब्र पर आई, सोच रही थी कि, "कौन कब्र पर से पत्थर को हटाएगा? कौन पत्थर को हटाने के योग्य होगा? " वे आगे बढ़ी, विश्वास से आगे बढ़ी, विश्वास करते हुए। और सुबह होने लगी रॉबिन चिड़िया ने शोर मचाना बंद करा। और पहली बात, भोर के तारे ने मार्ग दर्शया, और जैसे कि एक तारा टूट कर पृथ्वी के पार गया हो और कब्र पर जाकर खड़ा हो गया जहां पर वह था। और एक स्वर्गदूत वहां खड़ा था, और उसने पत्थर को लुढका दिया।

42 वह कब्र से जी उठा, मृत्यु, नर्क और कब्र पर जय पाई। और कहा, "देखो, मैं सदा तुम्हारे संग हूं, संसार के अंत तक।"

43 और आज वहां हमारे जीवनो में सबसे ऊपर रहता है, अब इसके विषय में कोई अनुमान लगाना नहीं है। मैं सोचता हूं कि ईस्टर एक महानतम समय है। यदि कोई समस्त सुसमाचार में समय हुआ कि पेंटीकोस्टल, नया जन्म पाए हुए, फिर से जन्मे लोग, जिन्हें परमेश्वर के लिए चिल्लाना और महिमा करनी है, तो यह ईस्टर की सुबह है, जब वे जानते हैं कि यह इस बात की स्मरण में है कि उन्हें क्या हुआ था। "एक समय, पाप में मरा हुआ था और अपराधों में; अब जी उठा हूं, और मसीह में स्वर्गीय स्थानों में बैठा हूं, यह जानते हुए कि हमारा छुड़ाने वाला जीवित है।"

44 पुराने नियम के भविष्यवक्ता दाऊद ने कहा, "क्यों, मेरा शरीर आशा में विश्राम करेगा, क्योंकि वह अपने पवित्र जन को सड़ने ना देगा, ना ही उसके प्राण को अधोलोक में छोड़ेगा।" पुनरुत्थान के विषय में बोल रहा है, कि वचन के अनुसार वह मसीह को जिलाएगा।

45 और आज हम उसके साथ जी उठे हैं, और उसके साथ यही स्थान में बैठे है; और अब उठाए जाने के लिए तैयार है, उस महान समय की प्रतीक्षा कर रहे है। "हमारा शरीर आशा में विश्राम करेगा।" हम यह जानते हैं। और आज मेरे मस्तिष्क में तनिक भी संदेह नहीं है। यहां पर किसी भी व्यक्ति के मस्तिष्क में तनिक भी संदेह नहीं है, जिसने कभी भी नया जन्म पाया, परंतु वे वहां क्या होंगे उतने ही निश्चित जितना कि स्वर्ग ऊपर है। आपको होना ही है। प्रत्येक प्रतिज्ञा इसके लिए ठीक है। बस बस। उसके साथ जी उठे; और तब आप उसके साथ जीएंगे, उससे प्रेम करेंगे, उसके साथ मिलकर स्वर्गीय स्थान में बैठे हैं, उस महान समय की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

46 अब महान कार्य भार जाने का था... जब वह मृतकों में से जी उठा, तब वह... महान कार्य भार यह था, कि, "समस्त संसार में जाकर, और हमें हर प्राणी को सुसमाचार प्रचार करना था।" हर प्राणी को समाचार सुनाना था। आज प्रातः कलीसिया पर यह कार्यभार है, कि हर प्राणी सुसमाचार को सुने। तब, जब हर प्राणी सुसमाचार सुन ले, तब यीशु फिर से आएगा।

47 क्या आप यह सोचने के लिए, इस प्रातः कभी रुके, जहां तक वापसी की बात है, यह तो दिखाई पड़ने लगा? वह तो यहां पहले ही हमारे साथ है। वह... हम किसी दिन... अब आज, जरा कल्पना कीजिए कि उसकी उपस्थिति आज यहां पर है। प्रभु यीशु दूसरी दुनिया में है, या दूसरे आयाम में है, ठीक यहां आत्मा के रूप में। उसका आत्मा हमारे आत्मा के साथ मिल रहा है। हमारी आंखें उसे नहीं देख सकती, क्योंकि वे अब भी भौतिक है, जब तक कुछ ऐसा घटित ना हो जाए कि हम दर्शन देख सके। परंतु वह यहां पर उसी प्रकार से, दृष्टिगोचर है वैसे ही वास्तविक जैसा वह उस दिन मरियम से बोला था, कब्र पर, या वह मार्ग पर इम्माऊस की राह पर क्लियुपास से मिला था। उसकी उपस्थिति यहां पर है।

48 यह उसी से ही अनुभव किया जा सकता है, भीतर के आवेश से जो मनुष्य के शरीर के भीतर है, जो कि नया जन्म कहलाता है। प्राण उसके लिए चुंबकीय हो गया है। और कभी–कभी जब, आप उस पर अपना

ध्यान लगाते हैं, उस पर विश्वास करते हैं; तो कुछ समय पश्चात तो कुछ वास्तविक है, जो आपके ऊपर छा जाता है। यह उसके पुनरुत्थान का समर्थन है।

यह ऐसा नहीं है "ऐसा अनुमान है।" यह नहीं कि "ऐसी आशा करता हूं।"

49 परंतु, प्रत्येक व्यक्ति जिसका नया जन्म हुआ है, यह "मैं ऐसा जानता हूं" है। यह, वह है जो आप जानते हैं। यह ठीक वही है, जब आप उसके संपर्क में आते हैं। मैंने संतो को कहते देखा है, "ओह, क्या आप... " प्रभु की उपस्थिति समीप है। वे कहते हैं, "क्यों, वहां कुछ है!" क्यों, निश्चय ही। वह ठीक यहां पर है। सीधा–सीधा... वह मृतकों में से जी उठा, और वह आपके पास खड़ा है।

50 और, किसी दिन, जब हम उसके साथ जाते हैं; यह जो आत्माएं यहां है, वे उस आत्मा को अनुभव कर सकती है, उसमें सटती है। तब, पुनरुत्थान में, जब वह स्वयं को दिखाएगा, हम भी दिखाई पड़ेंगे और उसकी देह के समान हम महिमामय देह पाएंगे। जब हम आत्मा के संसार से आते हैं, तो वह हमें उसके साथ ले आएगा। "वे सब जो मसीह में मरे हैं परमेश्वर उनको पुनरुत्थान में उसके साथ ले आएगा।" ओह, क्या ही ज्ञानोदय है! कितनी धन्य बात है!

51 ओह, यदि मैं इसे ना लेता... ओह, यदि मैं सारी पृथ्वी का राजा बन सकता होता, और लाखों वर्ष जीवित रहने का दावा करता; तो मैं प्रभु की आराधना का एक वर्ष ना लेता, और वे बातें जो मैंने बीते वर्षो में देखी, और परमेश्वर से सीखी, संसार के सारे धन के बदले में। यह धन्य आशा! उस एक लाख वर्ष के पश्चात, या यह जो कुछ भी होता, तो मेरा अस्तित्व घटने लगता।

52 कुछ समय पहले, भाई कोक्स में (इस समय भवन के पीछे खड़े हैं) और मैं बैठा हुआ था... एक घर में एक गाड़ी आई, और दब कर टूटे हुए पत्थर सड़क पर थे। उसमें कुछ छोटे समुद्री जानवरों के जीवावशेष थे, या कुछ, जो कि बहुत वर्षों पहले रहे थे। मैंने कहा, "यहां इन चीजों को देखो।"

53 और भाई कोक्स ने कहा, "भाई ब्रंहम, यह वास्तव में कितने पुराने हैं? "

54 मैंने कहा, "भाई कोक्स, संभवतः है यह तो इतिहासकार ही कहेगा, लाखों वर्षों में; बहुत पहले कि मनुष्य इस पृथ्वी पर बसेरा करता, और जल ने पृथ्वी को ढांप रखा था। ये जानवर संभवतः बहुत, बहुत, बहुत वर्षों लाखों वर्ष पहले रहे होंगे। परंतु मैं... "

55 उसने कहा, "भाई ब्रंहम, देखिए," कहा, "क्या मनुष्य का जीवन, इस जीवन के सामने बहुत छोटा नहीं है? जरा सोचिए, वे जीवावशेष अब भी है, लाखों वर्षों पश्चात।"

56 मैंने सोचा, "ओह," मैंने कहा, "भाई कोक्स, एक समय आएगा तब जब ये जीवावशेष ना होंगे। इसकी छाया मात्र भी ना होगी। परंतु क्योंकि वह मरे हुओं में से जी झूठा है, मैं भी और आप भी सदा के लिए जीएंगे, और अनगिनत युगों तक।"

57 जब सारे जीवावशेष समाप्त हो गए, और सारे पुरातन समय बीत गए, और छायाये जाती रही, हम जीते रहेंगे, जीते रहेंगे और सदा तक जीते रहेंगे। क्योंकि, प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान को स्वीकार करने के द्वारा, हम अमरहार हो गए, आत्मा में रोते हैं, अपने छुटकारे के समय की बाट जोह रहे है, ताकि हम भी उसकी धन्य उपस्थिति में होंगे, ताकि सदा–सदा जीवित रहे। क्या ही शानदार! कोई आश्चर्य नहीं कि यह लोगों के ह्रदयो को रोमांचित कर दिया! कोई आश्चर्य नहीं यही लोगों को आराधना के लिए ले आया।

58 कोई आश्चर्य नहीं कि आज लोग अपने घुटनों पर चले, और पत्थरों को छुए, और क्रूसो को रगड़े, और—और आदि–आदि, क्योंकि, उनके भीतर कुछ उनके मनुष्य प्राण के भीतर चिल्ला रहा है किसी चीज के लिए जो वे नहीं पा सकते। "गहराई, गहराई को पुकार रही है।" यदि गहराई, गहराई को पुकार रही है, तो उत्तर देने के लिए गहराई होनी चाहिए। यह होनी ही चाहिए।

59 निश्चित रूप से जैसे गर्म सूर्य मैदानों के इस पार से उस पार तक चमकाता है, जब यह जाड़े की ठंडक से फफोले दार हो गया वहां होना ही है... कि सूर्य यहां किसी चीज के लिए रखा गया है। वहां कहीं तो नीचे, जो मानव दृष्टि से नहीं दिखाई पड़ता है, वहां वनस्पति और जीवन है, वह फिर से ऊपर आएगा क्योंकि सूर्य को इसी विशेष उद्देश्य से भेजा गया है।

60 और जैसे कि निश्चित रूप से परमेश्वर के पुत्र का उजियाला मनुष्य के हृदय पर पड़ता है, तो वहां छोटा सा छिपा हुआ है जिसका मनुष्य व्याख्या नहीं कर सकता। यह बुलाहट है। यह कहीं से तो है। मैं इस विषय में सोचता हूं, और मेरा हृदय आनंद से उछलता है, यह जानते हुए कि हमारे पास आज सबसे बड़ा प्रमाण है कि मसीह मरे हुओं में से जीवित हो उठा है, अब।

61 और मैं पुराने नियम के समय के लिए भी सोचता हूं, जब उन्होंने प्रभु यीशु के आगमन की प्रतीक्षा की, जब उन्होंने उसे पहले से देखा और उसकी इसी विचार पर आराधना की। उनमें कुछ था, पुकार रहा था, "एक गहराई, गहराई को पुकार रही थी," समय की प्रतीक्षा कर रही थी, आगे उस समय की प्रतीक्षा कर रहे थे कि यीशु कब आएगा।

अब, आज, उसके आज जाने के पश्चात...

62 अब, पहले शैतान ने उनकी आंखों को अंधा करने का यत्न किया, जो इसकी राह तक रहे थे उन्हें यह बताने के लिए कि ऐसा कुछ नहीं है। परंतु, किसी भी रीति से किसी भी चीज से ऊपर उठ कर इस प्रातः हम कह सकते हैं, परंतु जैसे कि पवित्र आत्मा ने उनके हृदय को उभारा और उन्हें एक भूख दी, और एक प्यास, कि कोई एक आ रहा है।

63 अय्यूब, सोचिए, चार हजार वर्ष... चार हजार वर्षो पहले प्रभु यीशु का आगमन अय्यूब, ने पुनरुत्थान को देखा। और जब उसने यह चार हजार वर्षों पहले दर्शन के द्वारा कि यह होगा चार हजार वर्षों पहले यह घटित हो चुका था, वह पक्का था, कि, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है, और अंतिम दिनों में वह पृथ्वी पर खड़ा होगा। चाहे खाल के कीड़े इस शरीर को नष्ट कर दे, तौभी इसी देह से मैं परमेश्वर को देखूंगा; जिसे मैं अपने लिए देखुंगा; मेरी आंखें देखेगी किसी और की नहीं।" अय्यूब में वहां एक गहराई, दूसरी गहराई को पुकारती है।

64 शैतान इसे बोल के द्वारा मृत्यु से बंद रखने का यत्न कर सकता है। वह कह सकता है, "हां, अय्यूब, तुम कब्र में जा रहे हो। कीड़े तुम्हारे शरीर को खा लेंगे।" यह ठीक बात है। हम यह जानते हैं।

65 परंतु अय्यूब ने कहा, "कि अंतिम दिन मैं उसके संग खड़ा होऊंगा।" वह इस विषय में आश्वस्त था कि वह वहां पर होगा, क्योंकि अय्यूब के भीतर कुछ था जिसमें उसे यह बताया। और शैतान ने पूर्ण यत्न किया

कि इस बात को पूरी रीति से मृत्यु से बंद कर दे, अय्यूब ने सामने की ओर, इसे देखने के लिए देखा। विश्वास में मर गया, आत्मा दे दिया; फिर से ईस्टर की प्रातः मसीह के संग जी उठा, वह आज मनुष्य के मध्य में अमरणहार है! हाल्लेलुय्या! ध्यान दें। कोई आश्चर्य नहीं कि स्वर्ग दूत गा सकते हैं, "हाल्लेलुय्या!" जानते हैं!

66 अब, आज, कुछ हो सकते हैं, हम क्रूसो को रगड़ सकते हैं, हम मृतको की हड्डियों को रगड़ सकते हैं; यह मनुष्य के हृदय हैं जो किसी चीज को पुकार रहे हैं। वे पुकार रहे है। उनमें कुछ है जो कुछ प्रतीत होता है... मनुष्य होने के नाते, वे चाहते थे... वे जानते थे वहां कुछ तो है, उनके जानने से अधिक कहीं पर इसके विषय में कुछ तो है, और वे इसे खोज रहे थे, इसे खोज रहे थे। और यह लोग मृतकों की हड्डियों की उपासना करके खोजने का यत्न कर रहे हैं, क्रूसो को चमकाने के द्वारा बड़े आराधनालय बनाने के द्वारा।

67 परंतु, आज, वह धन्य आशा, उस धन्य आश्वासन जिसके सम्पर्क में, जब कभी कोई मनुष्य आया उस पुनरुत्थान के द्वारा जो किसी भी संदेह से आगे बढ़कर, जानता है, बिना किसी संदेह के, कि मसीह कब्र में से जी उठा है, और हम उसके संग उठे हैं। हम आज की प्रातः उसके संग उठे हैं। कि, देखे, यह नहीं...

68 यह भूख है, कि आप में से प्रत्येक मसीह के पास आ रहा है। इसके पहले कि आप पवित्र आत्मा पाते, आप भूखे और प्यासे थे। आप बढे। आपने खोजा। आपने बाईबल पढ़ी। आप रोए। आपने सब कुछ किया जो आप कर सकते थे। आप मोतियों की माला याने रोजरी पढ सकते थे। आप माला घुमा सकते थे। और सब प्रकार के धार्मिक व्यवहार कर सकते थे। आप मांस खाना छोड़ सकते थे। आप सबत का पालन करते। आपने हो सकता है सब धार्मिक व्यवहार किया होगा जो आज संसार करता है।

69 परंतु, जब एक बार जब आप क्रूस के सामने समर्पित हो गए, तो एक पुनरुत्थान आया। जिसने आपको इसके लिए आश्वस्त कर दिया, "मैं जानता हूं कि आज मेरा छुड़ाने वाला जीवित है!"

वह धन्य आश्वासन, कि यीशु मेरा है!
ओह, क्या ही बयाना है उस दिव्य महिमा का!

उद्धार के अधिकारी, परमेश्वर के खरीदे हुए,
उसके आत्मा से जन्मे, उसके लहू से धुले।

70 यह सुसमाचार है। यह कप्तान की आज्ञा है। यह महान कार्यभार है, कि "हम जाकर समस्त संसार में जाकर, और इस सुसमाचार का प्रचार करें।" इसे लोगों को दे, "पुनरुत्थान की सामर्थ में।" अब, यह विश्वास करते हुए...

71 अब, हमारा समय पूरा हो रहा है, आज मिलकर प्रातः की इस वार्तालाप के लिए। अब हमें प्रचार करना है, लगभग कुछ घंटों में, वापस आकर आज ईस्टर की सभा का प्रचार करने के लिए।

72 परंतु, आज इस छोटी सी वार्तालाप में, क्या ही शानदार अनुभव! आपस में क्या ही शानदार संगति! और आज मैं अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करता हूं, यह छोटा पुराना आराधनालय यीशु मसीह के मृतकों में से जी उठने के सीधे प्रमाण से देखेगा, उनकी आंखों के सामने दिखाई देगा; परमेश्वर बीमारों को चंगा कर रहा है, महान चिन्ह और आश्चर्य कर्म जिसमें कि महान कार्य भार शामिल है। वह महान क्षतिपूर्ति जो उस कलवरी पर की गई इन बातों के समेत है। और, मेरे लिए, यह उसके पुनरुत्थान का अचूक प्रमाण है।

73 मृतकों में से जी उठने के पश्चात, उसने कहा, "तुम्हें समस्त जगत में जाना चाहिए और इस सुसमाचार को प्रत्येक प्राणी को प्रचार करना है। विश्वास करने वालों के संग यह चिन्ह होंगे।"

74 आपके पास सारे महान आराधनालय हो सकते हैं, और सारी चमक, और हर चीज जो आप चाहते है। परंतु मुझे पुनरुत्थान की सामर्थ दे दो, ताकि प्रभु यीशु को मैं आज देख सकूं, जैसे की घाटी की लिली और भोर का तारा। यह मेरे लिए मोहर है। और तब मैं पुराने अय्यूब के साथ, कह सकता हूं, "मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है।"

मेरे पापों को क्या धो सकता है?
कुछ नहीं केवल यीशु का लहू।

75 मुझे क्या चला कर सकता है, हर बीमारी कुछ भी, कोई भी बंधन जिसमें मैं कभी था? कुछ नहीं केवल यीशु का लहू, और उसके जी उठने की सामर्थ। क्या ही शानदार बात है! मैं उससे प्रेम करता हूं, क्या आप नहीं करते? उसका पवित्र नाम धन्य हो!

76 अब, क्या अय्यूब निराश था? क्या अय्यूब छोड़ दिया गया क्योंकि उसने इसका विश्वास किया? कभी नहीं। कभी नहीं। क्या अय्यूब मूर्ख बना, वह, जो उसने अपने प्रकाशन में देखा? क्या गहराई, जो गहराई को पुकारती है, अय्यूब ने धोखा खाया? उसके दिन में बहुत से लोग सोच सकते होंगे। परंतु, ओह, परंतु इसका अंत कैसा हुआ? और अय्यूब, जब वह मरा, बूढ़ा होने के पश्चात, परमेश्वर ने उसको उसके जीवन में आशीषित किया।

77 मैं आपको बताता हूं, किसी भी व्यक्ति पर ध्यान करें। जिसे चाहे आप आराधनालय के लोगों, इसे सुने आप जो हमारे यहां आए हैं। आज जो भी जीवन जीये, वही कटनी आप काटोगे। जैसा आप बोते हैं, वैसा ही आप काटेंगे। मैं छयालीस वर्ष का था, उस दिन। परमेश्वर ने मुझे अधिक जीने दिया कि यह देखू कि आप गलत नहीं कर सकते और ठीक हो जाए।

78 आपको सही कार्य करना ही है, क्योंकि मसीह मृतकों में से जी उठा और उसकी दृष्टि कलीसिया पर है, और वह उस पर ध्यान रखता और उसकी अगुवाई करता है। पवित्र आत्मा के विचारों के विरुद्ध ना जाए जब वह आपको कुछ करने के लिए बताता है। संसार क्या कहता है, कोई मतलब नहीं आप वही करें जो वह करने को कहता है। वह सदा सत्य को समर्थन देता है और सत्य को सीधा–सीधा बनाए रखता है।

79 अब, जब वह... जब परमेश्वर का यह महान भविष्यवक्ता, अय्यूब, जब वह मर गया और गाडा गया। अब थोड़ा सा अचम्भा क्या कि...

80 अब मैं इस छोटी सभा को समाप्त करूंगा, ताकि घरों को जल्दी जा सके, और महान चंगाई सभा के लिए वापस आ सके। मैं बस...

81 मैं धर्मांध नहीं हूं। आप जानते हैं कि मैं नहीं हूं। या, यदि मैं हूं, मैं यह नहीं जानता। परंतु मैं अपने भीतर कुछ अनुभव करता हूं जो कि उभारता और बढ़ाता है। मैं विश्वास करता हूं कि इस प्रातः, हम किसी महान बात का सामना करने जा रहे हैं, परमेश्वर की महिमा के लिए। मैं आपको बताता हूं, मैं नहीं करूंगा... ओह, प्रभु! क्या ही... यह महान बात जाने कि मसीह आज जीवित है! जबकि, सारा संसार, चारों ओर, हर स्थान में, और हर धर्म वहां सब है, कोई मतलब नहीं, सारा झुंड इसे पलट कर नीचे गिरा दे; परंतु मेरे लिए, फिर भी वह जीवित है। वह जीवित है।

तब, हम देखेंगे यदि लोग इसे भीतर उतरने दे, जो इसका विश्वास करें।

82 अय्यूब, जब वह मर गया, वह वहां एक—एक मैदान में गाडा गया। और उसकी कब्र बनाई गई।

83 और तब जब पुराने भविष्यवक्ता आए, अब्राहम। बाईबल के अति प्रिय, अब्राहम और साराह। जब साराह मर गई, तब अब्राहम ने एक भूमि का टुकड़ा वहां खरीदा जहां अय्यूब गाड़ा गया था, और साराह को गाड़ा। उसने कहा, "मैं तुम्हारे संग वहां पर संगी वारिस होऊंगा।" ओह, प्रभु! मुझे यह पसंद है, "संगी वारिस!"

84 आज इसी प्रकार से है, उनमें से कुछ कहते है, "अच्छा, भाई ब्रंहम, आपका अर्थ है आप बैपटिस्ट कलीसिया छोड़ देंगे? आप *यह, वह,* या *कुछ और*? "

85 मैं इन "पवित्र शोर मचाने वालों," के साथ संगी वारिस हूं और मैं—मैं उनके साथ होना चाहता हूं। मैं... जहां, रुत के समान पुराने में कहा, "जहां तू... तेरे लोग मेरे लोग। तेरा परमेश्वर मेरा परमेश्वर है। जहां तू मरे, मैं मरूंगी। जहां तू गड़ेगी, मैं गडुगी।" मैं स्वयं में मरना चाहता हूं, इतनी महानता, जब तक कि मैं मसीह यीशु में नया व्यक्ति ना हो जाऊं।

86 इस प्रकार से, उन्होंने अय्यूब को गाडा। और अब्राहम ने साराह को उसके समीप अपने स्थान में गाडा। उनमें कुछ था; वह सहज वृत्ति!

87 "अच्छा," आप कहते है, "भाई ब्रंहम, क्या कोई ऐसी चीज है? अब, आप विभिन्न धर्मों पर जा रहे थे। उन्होंने भी इसे पुस्तक में से पढ़ा।" यह ठीक बात है। उन्होंने इसे पुस्तकों में से पढ़ा है।

88 परंतु यह पुस्तकों में से पढ़ा हुआ नहीं है। यह पुस्तक प्रगट हो रही थी। यह वचन है। बीज बढ़ने लगा, यह "मैं जानता हूं।" यदि आप केवल अक्षर पढ़ते हैं, आप कहेंगे, "मैं आशा करता हूं। मैं ऐसा विश्वास करता हूं।" परंतु जब बीज जीवन को लाता है, तब आप इस प्रकार जानते हैं। आमीन। आमीन। ओह, "मैं ऐसा जानता हूं" यह वह है।

89 अय्यूब ने कहा, "मैं जानता हूं!" "मैं इसमें विश्वास करता हूं; मैंने बलिदान चढ़ाएं है; मैंने यह सारी चीजें की है; मैं ऐसी आशा करता हूं।" परंतु जब दर्शन मिला, और उसने यह देखा, उसने कहा, "मैं यह जानता हूं।" कुछ घटित हुआ।

90 आप आराधनालय जा सकते हैं। आप शिष्यों के सारे मतसार को बोल सकते हैं। और आप वे सारी धार्मिक बातें कर सकते हैं। आप जैसे बपतिस्मा

लेना चाहे आप बपतिस्मा ले सकते हैं। आप जो भी चाहे ये चीजें कर सकते हैं। परंतु जब तक आपका प्राण नहीं जागता प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान से, आप... सारी "आशाएं" तब चली जाती है, और एक "मैं ऐसा जानता हूं" आ जाता है। "मैं जानता हूं!"

अय्यूब ने कहा, "मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है।"

91 अब्राहम ने कहा, "मुझे भी इसी प्रकार का दर्शन मिला है। जब वहां पहाड़ पर, जब (मसीह) परमेश्वर मुझ से मिला, और मुझे दिया... उसके छुटकारे का नाम, यहोवा यीरे हैं, यहोवा राफा, और वे सब मृत्यु; गाड़े जाने, और पुनरुत्थान को देख रहा है। इसे देख रहा है, और मैं यह सब अपने पुत्र में देता हूं, जब मैंने छोटे इसहाक को देखा (इसकी मां को मृत मां यहां पर है, उसका लड़का।), जब मैं उसे पहाड़ पर ले गया, और पहाड़ की चोटी पर उस पर उसकी ही लकड़ी लाद दी, पहाड़ की चोटी पर," उत्पत्ति 22, "और वहां पर वह... उसे वेदी पर लिटा दिया और अपने ही जीवन को लेने जा रहा था। यह जानते हुए कि मैंने उसे जैसे मरी हुई सी अवस्था में से पाया, मैंने विश्वास किया कि वह उसे फिर से जिलाएगा। और यदपि यह महान आशा जो मेरे ह्रदय में धड़कती है, मैं जानता हूं कि उसने कहा है कि वह उसे जिला सकता है।" समझे? यह पुनरुत्थान का पूर्व दर्शन था; यही चीज अय्यूब के पास थी।

92 इसलिए उसने कहा, "अब, मैं अय्यूब के साथ संगी वारिस हूं, इसलिए मुझे भी उसी भूमि में गाड़ दो।" यह ठीक बात है। इसलिए वे उसे वहां ले गए, साराह को वहां ले जाकर और वहां अय्यूब के पास गाड़ दिया। अब्राहम ने कहा, "अब ऐसा होते हुए वे... यह भूमि किसी को बेच दी जाए, या क्योंकि आपने यह मुझे दी है। मैं नहीं चाहता कि आप मुझे दो। मैं इसका दाम देना चाहता हूं। यदपि आपने मुझे दी है, मैं इसका दाम चुकाना चाहता हूं।"

93 और इसी प्रकार से, हर मनुष्य, जो कि, "आप अनुग्रह के द्वारा बचाए गए हैं, ना कि कामों के द्वारा," आप कुछ नहीं कर सकते हैं। परंतु यदि आप अपने ह्रदय में वह धन्य पुनरुत्थान को कभी पा ले, तो आप एक मसीही जीवन जीना चाहते हैं, आपके ह्रदय में पूरी रीति से यही इच्छा है कि जो ठीक है वही करूं। ओह, मैं यह पसंद करता हूं! यह वह नहीं है कि आपको *यह* करना है। यह आपका कर्तव्य नहीं है, आपमें कुछ है जो आपसे यह

करवाना चाहता है। आप यह करना चाहते हैं। आप इसे नहीं करते क्योंकि यह एक कर्तव्य है। आप यह प्रेम के कारण करते हैं।

94 आप कहते हैं, "मैं जानता हूं। अच्छा मुझे उठना है और आज प्रातः बालकों को आराधनालय जाने के लिए तैयार करना है। ओह, प्रभु!" समझे? ओह, प्रभु! अपने कभी भी पुनरुत्थान को नहीं छुआ।

95 भाई, जब पुनरुत्थान आपके हृदय में आता है, आप इसे करने की प्रतीक्षा करते हैं। आप में कुछ है, कि आप इससे अलग नहीं रह सकते; कुछ भीतर में है।

96 अय्यूब, जब उसने यह देखा! और अब्राहम ने यह देखा; उसने साराह को अय्यूब के पास गाड़ा। खेत को खरीदा, अपने पैसे से खरीदा, ताकि यह पक्का हो जाए। उसके सामने एक गवाही रखी, कि वह स्वयं में आश्वस्त था उसने यह खेत गाड़ने के लिए खरीदा। और जब, स्वयं अब्राहम, जब वह मर गया, वह भी उनके संग गाड़ा गया, उसी खेत में।

97 अब्राहम से इसहाक उत्पन्न हुआ। और जब इसहाक मरा, तो वह अब्राहम के साथ गाड़ा गया; ठीक उसी दर्शन में, उसी विचार में, वही "गहराई गहराई को पुकारती है," वही "मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है।" वही बात, वही प्रमाण।

98 और तब इसहाक से याकूब उत्पन्न हुआ। और याकूब, मिस्त्र में मर गया, अपने देश से दूर।

99 और वह अपाहिज व्यक्ति था। वह अपनी उस चाल से जो चला करता था भिन्न रिती से चला, क्योंकि एक रात्रि वह परमेश्वर के दूत के संपर्क में आया। और प्रभु ने उसकी जांघ को छुआ और उसकी चाल बदल दी। और उसके पास एक प्रमाण था कि परमेश्वर ने उसे पकड़ा हुआ है, और उसने परमेश्वर को पकड़ा हुआ है। और इस प्रकार से, जब उसने उस प्रमाण को पाया, तो वह लंगड़ी टांग जिससे चला, उससे सीधी चाल चलवा दी।

100 एक ओर, एक बड़ा डींग मार, एक बड़ा... ठीक है, वह वास्तव में क्या कहलाया, वह एक धोखेबाज था। वह "धोखेबाज।" कहलाया *याकूब* का शाब्दिक अर्थ "धोखेबाज" है। और जब वह इस ओर था, एक धोखेबाज; बड़ा स्वस्थ, मजबूत, धोखेबाज।

101 दूसरी ओर, एक लंगड़ा राजकुमार परमेश्वर के संग; छुआ हुआ, भिन्न, उसके पास एक धन्य आशा थी! और वह भिन्न प्रकार से चला। उसने भिन्न व्यवहार किया। उसने भिन्न जीवन बिताया।

102 और जब वह वहां पर पीछे मिस्र में मरने को था। अब इस पर सोचिए। पुनरुत्थान से पहले वह उस प्रेरणा के साथ, पुनरुत्थान से पहले एक माप में मिला। उसने कहा, "मैं जानता हूं कि मिस्र में कुछ होने जा रहा है, एक... मिस्र में नहीं; परंतु वहां उस प्रतिज्ञा के देश में, इन्हीं किन्हीं दिनों में। इस प्रेरणा पर ठीक उसी स्थान पर... मेरे पुत्र, युसूफ यहां आ," जो कि एक भविष्यवक्ता था। उसने कहा, "यहां आओ और अपना हाथ इस, 'संघर्ष,' के स्थान में रख, जहां मुझे किया गया था। और स्वर्ग के परमेश्वर की शपथ खा, तू मुझे यहां पर नहीं गाड़ेगा। मेरे साथ शपथ खा कि मुझे यहाँ नहीं गाड़ेगा।" क्योंकि, वह जान गया था कि यह अवश्य था कि वह उन लोगों के साथ एकत्र हो।

103 आज यही कारण है, जब, हम अपने हाथ उस पुरानी उबड़–खाबड़ सी क्रूस पर रखते हैं तो हम गाना चाहते हैं कि, "मैं अपना मार्ग प्रभु के लिए ठुकराये हुओं के थोड़े से लोगों संग लूंगा; यदपि इसकी भर्त्सना कि जाए, इसका उपहास भी उड़ाया जाए संभव है, मैं यहां एक बहन लोकप्रिय व्यक्ति हो सकता हूं।"

104 जैसे कि, एक दिन, एक बेचारा छोटा लड़का नगर में चारों ओर भाग रहा था, और प्रकार से लोगों में लोकप्रिय था... आदि–आदि, युवाओं में। परंतु मैंने एक दिन कुछ देखा, जो यहां आया। और मैंने लंगड़े लोगों के साथ स्थान लिया, उस ओर।

105 क्या आप आज प्रातः आनंदित नहीं, कि आपने अपना स्थान उधर की ओर लिया है? क्योंकि आपके अंदर—अंदर कुछ था!

106 एक युवा महिला, जब मैं बस एक लड़का प्रचारक ही था, यहां एक स्थान में प्रचार कर रहा था, वह, मैं उसे एक रात्रि आराधनालय ले गया, उसने कहा, "बिली, हम... आराधना के पश्चात, क्या हम तमाशा देखने जा सकते हैं?"

मैंने कहा, "मैं तमाशा यानी शो देखने नहीं जाता।"

107 उसने कहा, "अच्छा तो," बोली, "क्या हम—क्या हम समय, या एक—एक दिनांक नियुक्त कर सकेंगे, कि बाहर जाकर नाच जो होने जा रहा था? " और वह लड़की संडे स्कूल की अध्यापिका थी।

108 और मैंने कहा, "क्यों, नहीं।" उसका भाई सेवक था। वह यहां से अधिक दूर पर नहीं रहता है। और वह... बोली, "क्या हम थोड़ा—थोड़ा—थोड़ा नाचने को जा सकते हैं? "

मैंने कहा, "मैं नाचता नहीं हूं।"

109 और उसने कहा, "तुम नहीं नाचते? " कहा, "तो फिर तुमने कभी कोई आनंद लिया? "

मैंने कहा, "आराधनालय में आओ, मैं तुम्हें दिखाऊंगा।" अमीन।

110 भाइयों, मैं आपको बताता हूं, जब मैं यीशु मसीह की पुनरुत्थान के बदलने वाली सामर्थ को मनुष्य के देह के चारों ओर घूमते हुए देखता हूं, मनुष्य की देह में से यह सिद्ध आश्वासन देता है, पांच मिनट के भीतर में बहुत ही आनंद होता है, बजाये सांसारिक, सुख के जो दिया जा सकता है। वह पुनरुत्थान की सामर्थ!

111 उस रात्रि पापी लोग वेदी पर आए। वह भी पीछे बैठी हुई रो रही थी। मैंने कहा, "अब, देखिए, बहन, आप देखिए मेरा आनंद कहां है? " मैंने कहा, "मैं इस समय अधिक आनंदित हूं बजाए कि आप संसार की सारी वस्तुयें दे। संसार, और उसकी सारी सामर्थ, कभी भी इसका स्थान नहीं ले सकेगी।" देखिए प्राण आ रहे हैं, वहां उनमें कुछ है!

कहते हैं, "भाई यह क्या है? यह आपका कार्य नहीं है।"

112 ओह, हां, यह भी है। ये यह प्रत्येक पुरुष और स्त्री का कार्य है, हर व्यक्ति जो परमेश्वर के आत्मा से उत्पन्न हुआ है, मसीहो को परमेश्वर के राज्य में आते हुए देखना। यह आपका कर्तव्य है। यह आपका कार्य है। और जब यह घटित होता है, तो कितना आनंद होता है, आप देखिए कितनी शांति है। हां।

113 याकूब ने कहा, "अपना हाथ यहां पर रख, और सौगंध खा कि तू मुझे यहां पर नहीं गाड़ेगा।" इसलिए उन्होंने उसे लेकर वहां उन बाकी लोगों के संग गाड़ा।

114 और तब—तब युसूफ, यह याकूब से यूसुफ के पास आया। और जब युसूफ मिस्र में मरा, उसने कहा, "देखो, मुझे यहां पर मत गाड़ना, क्योंकि मैं जानता हूं किसी दिन हम यहां से जाने वाले हैं। इसलिए, मैं... तुम मेरी हड्डियों को भूमि से बाहर रखना।" ओह, प्रभु! "मैं हर गवाही को देना चाहता हूं जो दे सकूं, कि मैं इसमें विश्वास करता हूं।" यह ठीक बात है। कहा, "मेरे मरने के पश्चात, मेरी हड्डियों को गवाही के लिए रखना।" देखिए? यह क्या है? वह अय्यूब के समान बहुत कुछ कह सकता था, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है," क्योंकि उसने सारे दृश्य को होते हुए देखा था। उसने अय्यूब के समान देखा।

115 अय्यूब ने दर्शन में देखा। अब्राहम ने इसहाक में देखा। और इसहाक... और याकूब, और आदि–आदि। और याकूब ने इसे लड़ने के द्वारा देखा।

116 यूसुफ ने इसे अपने ही जीवन के द्वारा देखा। उसने देखा कि वह जन्म से ही भिन्न लड़का है, कि वह एक भविष्यवक्ता था। उसमें कुछ था; वह दर्शन देख सकता था। वह उसे समझ सकता था। यहां तक कि वह गया और देखा... अपने माता–पिता को बताया, जब उन्होंने उसे सही करने का यत्न किया, जब उसने देखा सारे पूले उसके वाले के सामने झुक रहे हैं। वह इसे नहीं समझ सका। परंतु फिर, अगली बात, उसने पाया कि उसे उसके भाइयों के द्वारा धोखा दिया गया। उसने कहा, "मैं यहां क्या दर्शा रहा हूं? यह पूर्व ज्ञान क्या है जो मैं आ सकता हूं? " उसने अपने जीवन को ध्यानपूर्वक देखा।

117 और कोई भी मनुष्य अपने जीवन को देख सकता है, और बता सकता है कि आप कौन हैं बस अपने आप को जांचे, कि आप वास्तव में मसीहा हैं या नहीं। आज जो करते हैं, उन बातों को जांचे आप क्या कहते हैं, और आपके संगी, और आदि–आदि। आप पाएंगे कि आप में वास्तव में कुछ है, या नहीं।

118 जब वह जीवन में आगे बढ़ने लगा तो उसने अपने जीवन को देखा। और अगली बात जो आप जानते हैं, जो पाया गया कि उसे गड्ढे में फेंका गया; अपने भाइयों के द्वारा धोखा खाया, जैसे कि मृत जान कर गड्ढे में डाला गया हो, और फिर से निकाला गया। यूसुफ ने यह पहले ही देख लिया। उसने स्वयं को कैद में देखा। उसने स्वयं को काल कोठरी में देखा। उसने देखा कि परमेश्वर उसके संग है, यदपि, उसने जो कुछ भी किया

वह सम्पन्नता का राजकुमार था। संसार सम्पन्न हुआ। जहां कहीं भी युसूफ रहा, वह सम्पन्न था, क्योंकि वह सम्पन्नता का राजकुमार था। और, वह, मसीह की पूर्व छाया थी।

119 मसीह जहां भी है, वही सम्पन्नता है। और जब मसीह पृथ्वी पर वापस आता है, तो संसार के समस्त श्राप ले लिए जाएंगे, इन्हीं किन्हीं दिनों में। पुराने रेगिस्तान गुलाब के समान खिलेंगे, और उबड़–खाबड़ चौरस हो जाएंगे। और वह भरपुरी में आ जाएगी, क्योंकि वह सम्पन्नता का राजकुमार है, वह जहां भी है। हाल्लेलुय्या! वैभव का राजकुमार!

120 इस समय हम कैसे इस पर लगभग आधा घंटे तक रह सकेंगे! परंतु, अब जल्दी करने के लिए जल्द ही करना है।

121 अब यूसुफ को देखिए, तब देख रहे हैं, जब वह सब जान गया जो उसने किया। उसने अपने भाइयों को देखा, जिन्होंने उसे धोखा दिया अंत में उसके पास आए, यह ना जानते हुए कि वह कौन था; और उसके सनमुख श्रद्धा से सिर झुकाया। और वे जिन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया, जैसे कि यह था उसे गड्ढे में डाला गया, वे जिन्होंने उसे मिस्त्रियों को बेच दिया था, वे सब जिन्होंने उसके साथ दुर्व्यवहार किया, उसके सम्मुख खड़े हुए। और, उसे, महान राजकुमार; और वे कंपकंपाए। और उन्होंने कहा, "ओह, वह... " कांपे, क्योंकि, कहा, "हमने अपने भाई को घात किया है।" और सब इस विषय पर, और यह कैसे सब पूर्व छाया में था।

122 यूसुफ, वह जान गया कि प्रभु यीशु के आगमन पर संसार की यह स्थिति होगी, इसलिए उसने अपनी हड्डियों का उल्लेख किया। उसने कहा, "मुझे यहां मत गाड़ना। परंतु मैं हर गवाही को रहने देना चाहता हूं जो मैं कर सकता हूं, कि मैं विश्वास करता हूं कि किसी दिन वहां एक पुनरुत्थान होगा, जहां वे जिनको एक ही प्रेरणा थी चले गए।"

123 और इसी प्रकार आज प्रातः कलीसिया कह सकेगी! यदपि जैसे की हम "हठ धर्मी, " कहलाए गए हैं; क्योंकि हम पुनरुत्थान की सामर्थ में विश्वास करते हैं; यदपि हम दिव्य चंगाई में विश्वास करते हैं और सारे अलौकिक चिन्ह जिनकी मसीह ने प्रतिज्ञा की है; हमें "अनपढ़, " की ओर होना है, या "हठधर्मी, " और आदि–आदि! इससे कोई अंतर नहीं पड़ता कि हमें क्या लेना है, जब तक हम यह जानते हैं हमारा छुड़ाने वाला जीवित है, और वह हमारे हृदयो में प्रमाण लाया है, ताकि वह जीवित रहे और राज्य करें।

124 यूसुफ ने कहा, "मैं शैतान के विरुद्ध हर गवाही देना चाहता हूं जो मैं दे सकता हूं।"

125 इसलिए उसने अपनी हड्डियां वहां डाली, और वे वहां चार सौ वर्षों तक पड़ी रही। आमीन। क्योंकि, इसने उसके आगे देखा! लोग कहते हैं, "क्या ही पागलपन!" यह ऐसा प्रतीत होता है, बजाए हठधर्मी के, परंतु यह सत्य सिद्ध हुआ। आमीन।

126 इसलिए यह प्रत्येक के लिए होगा जिनके पास धन्य आशा है इस प्रातः का मूल पाठ, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। मैं यह जानता हूं, कोई मतलब नहीं क्या है!"

127 वे कहते हैं कि, "ओह, हम यहां सम्पन्न हो रहे हैं। सारा मिस्र सम्पन्न हुआ जबकि हम यहां हैं," यह सारी बातें।

128 परंतु इससे कोई अंतर नहीं पड़ता। वह जान गया वे वहां बाहर जा रहे थे, ठीक उसी निश्चय से जैसे संसार। उसने कहा, "अब, मेरी हड्डियों को वहां पर गाड़ना मिस्र में... प्रतिज्ञा के देश में, कनान देश में, मिस्र से बाहर।" इसलिए जब वे... मूसा दूसरा प्रेरणा पाया हुआ, भविष्यवक्ता आता है, और उसने यूसुफ की हड्डियों को लिया, और वहां से लेकर और उसी स्थान पर गाड़ दिया, उन्हें उसी स्थान पर गाड़ दिया जहां वे बाकी के गाड़े गए थे। उसने अपना मार्ग, उन बाकी लोगों के साथ लिया। क्यों? उसमें कुछ था। उसमें कुछ था! कोई मतलब नहीं...

129 आप उन बाकी लोगों की जो वहां पर है मत सुनिए वे इस विषय में जो भी कहें। "अच्छा, कहीं भी ठीक है।" वे कहीं भी गिर पड़ेंगे।

130 परंतु वहां उसमें कुछ था, कुछ तो वही दर्शन था जो अय्यूब को था, वही दर्शन उन बाकी लोगों को था। कोई मतलब नहीं बाकी संसार ने क्या सोचा, उन्होंने क्या किया, इस बात से युसूफ को कोई मतलब नहीं; इसका अब्राहम से कोई लेना–देना नहीं, इसहाक से, याकूब से, उन बाकी लोगों के साथ। कुछ प्रतिज्ञा के देश की ओर धकेल रहा था। पागलपन सा प्रतीत होता है, क्यों परंतु वे चाहते थे क्योंकि उनमें कुछ था। "गहराई, गहराई को पुकारती है।"

131 और आज हर विश्वासी के साथ यही बात है। उनमें कुछ है, जो उन्हें आगे को ढकेलता है। कोई मतलब नहीं आप *इधर, उधर* या *कुछ* करने का यत्न करें, परंतु कुछ है जो दबाव डालता हैं आप किसी भी संदेह से

परे जानते हैं, कि कहीं एक नगर है जिसका बनाने वाला परमेश्वर है। आप जानते हैं वहां कुछ है, इसलिए आप इसके दबाव में है।

132 अब, जिस दिन उन्होंने उसे गाडा उन हड्डियों को वहां पर सैकड़ों वर्ष बीत चुके थे।

133 और अंततः, एक दिन, "हमारे लिए पुत्र उत्पन्न हुआ, हमें एक बालक दिया गया। उसका नाम अद्भुत युक्ति करने वाला होगा, सामर्थी परमेश्वर, शांति का राजकुमार, अनन्त पिता।" और वह पृथ्वी पर आया, और वह चरनी के मार्ग से आया, निर्धन और गिरा हुआ।

134 परंतु उसमें कुछ था, जो जानता था! वह वहां बाईबल की एक भविष्यवाणी के साथ खड़ा हुआ था। उसने कहा, "तुम इस देह को नष्ट कर दो, और तीन दिन में मैं इसे फिर खड़ा कर दूंगा।"

135 वही केवल एक मनुष्य था, जो यह कह सकता था, जो इस बात को बोल सकने के योग्य था, या कभी वही योग्य होगा। "मुझे अधिकार है कि मैं अपने शरीर को गिरा दूं; मुझे अधिकार है कि उसे फिर उठा खड़ा करूं।" यह ठीक बात है, स्वयं ही इम्मेनुएल!

136 और तब जब वह मर गया, और उसकी मृत्यु के दिन, उन्होंने उसे क्रूस पर से उतारा, और उन्होंने उसे कब्र में रख दिया। और वह वहां शुक्रवार दोपहर बाद से रविवार प्रातः तक पड़ा रहा, और आश्चर्यजनक ईस्टर की प्रातः जब वह फिर जी उठा। और उसका प्राण वहां सामने नरक के कारागार से निकला, जहां वह आपके लिए एक पापी के समान मर गया, और हमारे पापों को उठा लिया, कि हमें एक सिद्ध विश्वास दे। शंका का कोई कारण ही ना रहा; एक पक्का विश्वास दिया। उसने कहा, "मैं... "

137 क्योंकि उसने यह किया, उसका प्राण नरक में डाला गया, क्योंकि वह निकाला हुआ था। वह "छोड़ा हुआ बकरा" था पुराने नियम का, जिस छोड़े जाने वाले बकरे के ऊपर, लोगों के पापों डालते थे और उसे जंगल में मरने के लिए छोड़ दिया करते थे। यीशु वह छोड़ा हुआ बकरा था जिसके ऊपर लोगों के पाप थे, और निकाला गया और नरक में चला गया, ताकि पीड़ाओ को सहन करे। उसकी देह कब्र में चली गई, ताकि हमारे पुनरुत्थान का भुगतान करें। ओह, प्रभु!

138 तब, इस ईस्टर की प्रातः, वह कब्र में से निकल कर वापस आया, जहां मृत्यु की पीड़ाए और नरक उसे रोक ना सके। और जब वह ईस्टर की

प्रातः, केवल वही नहीं जी उठा, परंतु अय्यूब, याकूब, अब्राहम, इसहाक। वे सारे के सारे पुनरुत्थान में आ गए, मत्ती 27 में, "और बहुतो को दिखाई दिए, और गलियों में आसपास।" यह उनकी गवाही की मोहर थी, क्योंकि उनके अंदर कुछ था, जिसने कहा, "मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है।" और हर मनुष्य को... अब, वे जान गए!

139 परमेश्वर को मालूम था, कि आने वाले दिनों में, धर्म के ज्ञानी इस बाईबल को ले लेंगे। वे जान गए कि तेज तर्रार लोग इसे ले लेंगे, कि वे अपने अनुवाद इसमें मिलाए, ताकि वे कह सकेंगे, "ओह, इसका *यह* अर्थ नहीं है। इसका *यह* अर्थ नहीं है।"

140 इसलिए, इसे आश्वस्त करने के लिए, उसकी महान योजना आने वाले युग में पूरी होगी... अब ध्यान से सुने जैसा कि हम सेवकाई बंद करने जा रहे है। जैसा कि आने वाले युगों में, ताकि उसकी योजना पूरी हो जाएगी, परमेश्वर ने इसके लिए विशेष गवाही दी है।

141 हम पढ़ सकते हैं और कहते हैं, "मैं इसका विश्वास करता हूं।" यह मानसिक है। यह बुद्धि विश्वास है। यह मानसिक धर्म विज्ञान है। परंतु इसके आगे कुछ है। यह ठीक बात है।

142 वह केवल कब्र से ही नहीं जी उठा, परंतु वह ऊंचे पर चढ़ गया और पवित्र आत्मा वापस भेजा। "वह ऊंचे पर चढ़ा, और मनुष्यों को दान दिए; बनवाई को बांध ले गया, और मनुष्यों को दान दिए।"

143 और, आज, जब धर्म विज्ञानियों ने बाईबल में मिलावट कर दी है, जब कलीसिया कि संस्थाएं बन चुकी है, और वे कहते हैं, "अरे, हमें *यही* चाहिए था। कुछ लोग आराधनालय में गाड़े गए, कुछ संत लोग; हम उनमें से कुछ कि हड्डियां खोद लेंगे और उन्हें यहाँ ले आएंगे।" उनमें से कुछ ने कहा, "हम जहां वे गाड़े गए है उस पर आराधनालय बनाएंगे जहां उसे—जहाँ उसे क्रूस दी गई थी, या जहां वह गाड़ा गया था। हम वहां पर आराधनालय बनाएंगे।" लोग, वस्तुओं से, वास्तविकता को लाने का यत्न कर रहे हैं, परंतु यह एक ऐसा शून्य है। इसमें कुछ नहीं है। यह सब अर्थहीन है, और इससे कुछ नहीं।

144 परंतु वास्तविक पुनरुत्थान उनमें है जो उसके संग मर गए नया जन्म पाया, वहां यह है, "ऐसा जानते हैं" विश्वास। "मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है।" और परमेश्वर उन लोगों के साथ कार्य कर रहा है,

"चिन्हों और आश्चर्य कर्मों के साथ," और एक महान कार्य भार यहां पर है, जो यह दर्शा रहा है, कि वह मृतकों में से जी उठा है, और दिखने वाले चिन्ह और आश्चर्य कर्म दिखा रहा है।

145 परमेश्वर आपको आशीष दे। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? क्या आप संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करते हैं?

146 अब हम घर के लिए जल्दी कर सकते हैं। अपना नाश्ता खाई और फिर नौ बजे वापस आ जाए। और हम लड़कों को प्रार्थना पत्र देने के लिए आरम्भ करने जा रहे हैं, नौ बजे।

147 और मैं... कहे, इस प्रातः और इस पर अंतिम शब्द, जब तक मैं वापस आऊं। वहीं प्रभु यीशु जो मृतकों में से जो उठा है वह आज जीवित है, और उन्हीं कार्यों को कर सकता है जैसे कि उसने प्रतिज्ञा की है। "विश्वास करने वालो के यह चिन्ह होंगे, जब तक की मैं फिर वापस ना आऊं।" यदि आपको निकाल दिया जाए, और आपको "हठ धर्मी," कहा गया तौभी वह अपनी पूरी सामर्थ में यहां पर है। परमेश्वर आपको आशीष दे। मैं प्रार्थना करता हूं, कि परमेश्वर आपको आज ईस्टर दे, ताकि जब तक आप जीवित है इसे कभी ना भूले।

148 अब, आप कहते हैं, "क्या आप उन लोगों के विरुद्ध है जो आराधनालय जाते हैं, और बड़ी–बड़ी सलीबे, और आदि–आदि?" मेरे भाई, नहीं, श्रीमान। वह बातें वैसी ही अच्छी है, जैसी हो सकती है, यह उसे पाने के समान है... मैं जो उन बड़े–बड़े आराधनालयो के विषय में सोचता हूं वह यह है।

149 आप कहते हैं, "ओह, निश्चय ही, यदि परमेश्वर हमें एक बड़ा स्थान दें, तो मैं उसकी सराहना करता।"

150 परंतु उसके लिए मेरी व्याख्या ये है। क्या आपने कभी भट्टियों और कारखानों में जाने की सोची, और एक बड़ी लंबी रेलगाड़ी बनाने के लिए सोचा, मखमल, और कुर्सियां सब सुंदर, चमकदार, और उसके ऊपर बड़ी सी सीटी, और इंजीनियर को उसमें बिना भाप के उसे खींचने के लिए लगाया? समझे? आप... इससे जरा भी कुछ भला नहीं होगा। इसे अच्छा तो मेरे पास हाथ से चलाने की गाड़ी हो, उसमें थोड़ी सी भाप हो बजाये इसके कि बहुत कुछ हो, (क्या आप नहीं चाहेंगे?), क्योंकि आप कहीं

जा रहे हैं। यह सत्य है। इसलिए अब बस इतना स्मरण रखे, वास्तविक पुनरुत्थान, वास्तविक चीज है।

151 आप कहते हैं, "वह चीज वहां स्वयं ही चल सकती है।" वह कैसे दौड़ सकती है? मुझे सिद्ध करें।

152 और हमने यह किया है। हमने कुर्सियों पर मखमल लगाया है। सीटी को चमकाया है। हमने विद्यमानो को चमकाया है, ताकि बड़े विज्ञान को सिखाए, और बड़े शानदार शब्दों का उपयोग करें, वह करेगा बस... महान बातें, लगभग सारी रात एक उपदेश के लिए उन्होंने शब्दकोश का अध्ययन किया है, ताकि उसे अगली प्रातः निकाल लाए, "बड़े–बड़े शब्दों के साथ।" परंतु, भाई, मेरे लिए, वह निर्थक है।

153 मुझे मसीहा दे दो। मुझे पुनरुत्थान दे दो। मेरे में ह्रदय प्रमाण दे दो, कि मसीह मृतकों, में से जी उठा है। बस मेरे लिए यह तय हो गया। आमीन।

154 मुझे कुछ दे दो कि मैं पुराने पौलुस के साथ, कुछ कह सकू, और वह बड़ी अंधकार से भरी कोठरी मेरे सामने है, जैसे कि एक मरणहार। अब मैं बालक नहीं हूं, कि मैं जानता हूँ हर बार मेरा ह्रदय धड़कता है, मैं उस बड़े अंधकार के कमरे की ओर बढ़ रहा हूं जो कि मृत्यु कहलाता है। हर समय; और एक दिन यह अंतिम बार धड़केगा, और मुझे मृत्यु की कोठरी में प्रवेश करना है हर नाशवान के साथ।

155 परंतु मैं उस बड़े शिष्य पौलुस के साथ कहना चाहता हूं, जैसा कि उसने कहा। "मैं उसे उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में जानना चाहता हूं," जब वह मृतकों के बीच में से बुलाता है, मैं उस समय उसके साथ आ जाऊंगा। मैं यही चाहता हूं, "कि उसे जानू," इस प्रातः। इसके लिए, मैं परमेश्वर का धन्यवादित हूं, "मैं उसे उसकी पुनरुत्थान की सामर्थ में जानता हूं।" कि. "मैं जानता हूं मेरा छुड़ाने वाला जीवित है।"

156 ये अंधी की गई, आंखें जो एक समय अंधी थी खुल गई है। यह मामूली बूढ़ा निर्भर शरीर, एक सौ पच्चीस पौंड का, यहां लगभग लड़खड़ा रहा है... इस पर मांस आ गया है। यह ह्रदय जो एक समय पापों से काला था सफेद हो गया है। यहां इच्छाएं जो संसार की वस्तुओं से प्रेम करता था, वे मर गई है, बाईस वर्षों पहले, और यह अब फिर जी उठा है।

157 और यह मरणहार आंखें जिनसे हो कर मैं देखता हूं, परमेश्वर के अनुग्रह से, मुझे यह सौभाग्य मिला, कि लंगड़े को चलते देखू अंधे देखें

ओह महान चिन्ह, और आश्चर्यकर्म, और परमेश्वर की सामर्थ। मैं जानता हूं, कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। मैं किसी भी सन्देह से परे जानता हूं। मैं यह जानता हूं। मैं यह जानता हूं। मैं यह जानता हूं। मेरा छुड़ाने वाला जीवित है, आमीन, निरंतर, सारे समय। यदपि मेरा बोल मेरे भीतर समाप्त हो जाएगा, यद्यपि मेरी जीभ मेरे होठों से चिपक जाए, यदि खाल कीड़े मेरे शरीर को खा जाए, यदि कब्र का पत्थर खड़ा कर दिया जाए, तौभी, मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। आमीन।

हम प्रार्थना करेंगे।

158 स्वर्गीय पिता, इस प्रातः हम इस पुनरुत्थान के लिए, तेरा धन्यवाद करते हैं। ओह परमेश्वर! एक समय पापी और पाप की जंजीरों से बंधा हुआ; एक समय परिस्थितियों के द्वारा कैद था; अहंकारी, भयानक मृत्यु से डरा हुआ, आपसे मिलने के लिए डरा हुआ, परंतु एक महिमा वाले दिन वहां से एक पुनरुत्थान आया। मसीह हृदय में जीवित हो उठा, और आज हमारे पास यह महान आश्वासन है। आज वह सर्वोच्चता में जीवित है, और हम उसके लिए तेरा धन्यवाद करते हैं।

159 और पिता हम प्रार्थना करते हैं, अब, आप इस छोटी सी सभा को आशीषित करेंगे, और हम एकत्र हुए हैं। होने पाए कि पवित्र आत्मा प्रत्येक पर उतरे। तू आने वाली सभा में हमारे संग हो, प्रभु। और होने पाए पवित्र आत्मा इस प्रातः हमारे मध्य में आए और इस भवन में प्रत्येक बीमार को चंगा करें। प्रभु, इसे प्रदान करें। होने पाए कि लोग यहां से ईस्टर को सारे जीवन स्मरण करते हुए जाए। प्रभु, इसे प्रदान करें। और होने पाए की महान सामर्थे होने पाए, महान स्वर्गदूत, जिन्होंने ईस्टर की प्रातः पत्थर लुढकाया, आज वे यहां खड़े उपस्थित हो, कि सन्देह के हर एक पत्थर को लुढ़का दे, हर भय, हर विरोध को। इसे लोगों के हृदय में से ले ले। प्रभु, इसे ग्रहण करें, ताकि पवित्र आत्मा महान सामर्थ में नीचे आए, और प्रत्येक के समीप पहुंचे। इसे प्रदान करें। यीशु मसीह के नाम में, हम यह मांगते हैं। आमीन।

160 हम खड़े हो जाए।

पहले को इस पवित्र आत्मा की योजना के लिए मरना था,

क्या यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला था, परंतु वह मनुष्य
के समान मरा;
तब प्रभु यीशु आया, उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ा दिया,
उसने प्रचार किया कि आत्मा मनुष्य को बचाएगा।

पापों से लहू को टपकाता रहा, हां, वह लहू के साथ
टपक रहा है,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के संग टपक रहा
है,
शिष्यों का लहू जो सत्य के लिए मरे,
पवित्र आत्मा लहू के साथ टपक रहा है।

और फिर उन्होंने स्तफनुस को पत्थरवाह किया उसने
पाप के विरुद्ध प्रचार किया,
इससे वे इतने क्रोध में आ गए, उन्होंने उसका सिर दे
मारा;
परंतु वह आत्मा में, मरा उसने आत्मा दे दिया,
और दूसरों के साथ सहभागी होने को चला गया, यह
जीवन दाता।

वहां पतरस और पौलुस, और यूहन्ना दिव्य,
उन्होंने अपना जीवन दिया कि यह सुसमाचार चमक
सके;
उन्होंने पुराने भविष्यवक्ताओं के समान, अपना लहू
मिलाया,
ताकि परमेश्वर का सत्य वचन ईमानदारी से बताया
जाए।

वहां वेदी के नीचे प्राण चिल्ला रहे हैं, "कब तक?"
क्योंकि प्रभु को उन्हें दंड देना है जिन्होंने गलत किया;
परंतु अभी और होने वाले हैं जो अपने जीवन का लहू
देंगे
क्योंकि इस पवित्र आत्मा का सुसमाचार और इसका
गहरे लाल रंग का बहाव।

लहू से टपकता रहता है...
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के संग टपकता है,
शिष्यों का लहू जो सत्य के लिए मर गए,
पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के संग टपकता है।

161 क्या आप उससे प्रेम नहीं करते? हम उस छोटे गाने को गाते हैं क्योंकि हम विश्वास करते हैं कि पवित्र आत्मा का सुसमाचार अब भी लहू के साथ टपक रहा है। यह सताव का मार्ग है। यह एक गलतफहमी का मार्ग है। यह ठीक बात है। संसार इसे नहीं जानता। संसार इसे कभी नहीं जान पाएगा। "संसार आप से घृणा करेगा। परंतु आनंदित होना, मैंने संसार को जीत लिया है।" वे इसे नहीं समझते। "नाश होने वालों के लिए सुसमाचार का प्रचार मूर्खता है।" परंतु विश्वासी के ह्रदय की गहराई में कुछ है, कहता है, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। बिना किसी सन्देह के, मैं यह जानता हूं।"

162 हर कोई अच्छा अनुभव कर रहा है? कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] जो कोई भी आपके पास खड़ा हो उससे हाथ मिलाए, कहे, "प्रभु की महिमा हो।" प्रभु की महिमा हो। प्रभु की महिमा हो। प्रभु की महिमा हो। यह बहुत अच्छा है। यह बहुत अच्छा है।

163 मसीह के साथ, अपना स्थान ग्रहण करें। वह मृतकों में से जी उठा है। प्रभु के लिए थोड़े से ठुकराए लोगों के साथ अपना मार्ग ले। ठीक है।

अब क्या हम कुछ क्षणों के लिए अपने सिरों को झुकाये।

164 और अब स्मरण रखें सभा फिर से कुछ मिनटों के बाद है। अब हम फिर से आरंभ करेंगे, नौ बजे को—को; प्रार्थना पत्र दिए जाएंगे। दस बजे, प्रभु चाहेगा, तो गतिविधियों को आरंभ करेंगे। प्रचार की सेवकाई लगभग दस बजे आरंभ करेंगे, मैं समझता हूं लगभग—लगभग दस बजे। और आप यहां जल्दी आ जाए, नौ बजे, अपना प्रार्थना पत्र लेने के लिए। और लड़के यहां पर नौ बजे प्रार्थना पत्र देने के लिए होंगे, इस प्रातः। ठीक है।

165 अब जल्दी ही घर जाए। यदि आपको खाना खाना है। तो जल्द ही आगे बढ़े, यदि आप बिना नाश्ते के वापस नहीं आते हैं। ओह, जो भी है, हम बहुत खाते हैं। इसलिए फिर वापस आए, उपवास, आनंद, आपका ह्रदय सही रहे।

166 अपने मस्तिष्क में यही रखें, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। मैं जानता हूं वह है। आनंद की घंटियां मेरे हृदय में बज रही है! क्योंकि वह जी उठा है, मैं भी जी उठा हूं। क्योंकि, मैं पहले ही, अस्थाई, उसमें होकर उसके साथ अब जी उठा हूं, 'मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में बैठा हुआ हूं।"'

167 अब आइए अपने सिरों को झुकाए, इस भवन में हर जगह। मैंने भाई बीलर से कहा है, यहां एक पास्टर से...

168 भाई टोम मेरेडिथ, मैंने उन्हें भी पीछे की, ओर देखा है, थोड़ी देर के बाद हम उन्हें अपनी सभा में उपयोग में लाएंगे।

169 और अब, भाई बीलर, यदि वे सामने आए जबकि सब अपने–अपने सिर प्रार्थना में झुकाए हुए हैं, मैं उनसे कहूंगा कि हम सबको प्रार्थना में होते हुए विसर्जित करें। ठीक है, भाई बीलर, यदि आप चाहें।

मेरा छुड़ाने वाला जीवित है HIN55-0410S

(My Redeemer Liveth)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में ईस्टर रविवार की सुबह सूर्योदय के समय, 10 अप्रैल, 1955 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org